बिहार विधान परिषद्

188 वां सत्र

तारांकित प्रश्न
वर्ग – 1

12 चैत्र, 1940 (श.)
सोमवार, तिथि ----------
02 अप्रील, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 31

1.	पथ निर्माण विभाग	....	....	12
2.	ग्रामीण कार्य विभाग	....	....	11
3.	भवन निर्माण विभाग	....	....	01
4.	ग्रामीण विकास विभाग	....	....	05
5.	पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग	....	....	01
6.	पंचायती राज विभाग	....	....	01

			कुल योग –	**31**

पुल की मरम्मती

* 452. **श्री राजन कुमार सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिलान्तर्गत संडा डुमरी पथ में बटानी नदी पर पुल अवस्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पुल का निर्माण वर्ष 2003 में लगभग 32 लाख की लागत से कराया गया था;

(ग) क्या यह सही है कि इस वर्ष बरसात में दो पाया के बीच की ढलाई गिर गयी है जिससे आवागमन बाधित हो गया है;

(घ) क्या यह सही है कि इस पुल से बिहार/झारखंड राज्य को जोड़ने के साथ-साथ 60 से 70 गांव के लोग भी लाभान्वित होते हैं;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पुल की मरम्मती कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क का चौड़ीकरण

* 453. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के बड़हरा प्रखंड के आरा-सिन्हा मुख्य मार्ग पिरौटा मोड़ से नागोपुर पथ है;

(ख) क्या यह सही है कि आरा-सिन्हा मुख्य मार्ग पिरौटा मोड़ से नागोपुर तक सड़क का चौड़ीकरण व मुख्य मार्ग के लेवल ऊंचा नहीं रहने के कारण आने-जाने में वाहन से काफी कठिनाई होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक आरा-सिन्हा मुख्य मार्ग पिरौटा मोड़ से नागोपुर तक सड़क का चौड़ीकरण व मुख्य मार्ग में लेवल को ऊंचा कराना चाहती है ?

लक्ष्य की प्राप्ति

***** 454. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि चालू वित्तीय वर्ष में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत 3400 बसावटों में चार हजार किलोमीटर सड़क बनाने का लक्ष्य रखा गया है;

(ख) क्या यह सही है कि सड़क निर्माण की धीमी गति के कारण प्रथम छमाही में 513 बसावटों में 671 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सड़क के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

सड़क का जीर्णोद्धार

***** 455. **श्री सोनेलाल मेहता** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगड़िया जिले के खगड़िया प्रखंड अन्तर्गत धुसमुरी-विशनपुर पंचायत के बभनगामा से जहांगीरा पंचायत के शोभनी चौक (पी.डब्ल्यू.डी. पथ) तक पथ की स्थिति अत्यन्त जर्जर है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित सड़क की जर्जर स्थिति के कारण, खासकर बरसात के दिनों में, आम लोगों को पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपर्युक्त खंडों में वर्णित सड़क का जीर्णोद्धार कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क की मरम्मत

***** 456. **श्री सच्चिदानन्द राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत प्रखंड पानापुर में बेलउर बाजार नहर के समीप से शिवरी पोखरा तक सड़क काफी जर्जर अवस्था में है, जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणों में रोष व्याप्त है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जर्जर सड़क की मरम्मती कराने का विचार रखती है, हां तो कबतक, यदि नहीं तो क्यों ?

कार्रवाई करने पर विचार

***** 457. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार सरकार द्वारा भवन निर्माण विभाग की निविदा में 25 प्रतिशत अनु.जनजाति के आरक्षित वर्ग के संवेदकों को सम्मिलित करने हेतु आदेश निर्गत किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण भवन प्रमंडल में वित्तीय वर्ष 2015-16, 2016-17 एवं 2017-18 में हुई निविदा में आरक्षित वर्ग के संवेदकों को शामिल नहीं किया गया है, अगर निविदा में शामिल किया गया है तो संवेदकों का नाम, पता तथा कितनी राशि का कार्य किन-किन संवेदकों के नाम पर आवंटित कर कितनी राशि का भुगतान किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त भवन प्रमंडल में अनु. जाति/अनु. जनजाति के गलत नाम, पते वाले संवेदकों के नाम कार्य आवंटित करने वाले अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता एवं विभाग के कर्मचारियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

निरीक्षण भवन का उद्धार

***** 458. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि शिवहर जिला के पी.डब्ल्यू.डी. के निरीक्षण भवन में विभाग द्वारा गोदाम घर बना दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि निरीक्षण भवन को गोदाम बनाने से अतिथियों को शिवहर जिला मुख्यालय में ठहरने में काफी कठिनाई हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त निरीक्षण भवन को मरम्मती कराकर फिर से चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

नई सड़क का निर्माण

***** 459. **श्री सी. पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत दीघा सेतु के समानांतर पुल बन जाने से गांधी सेतु का बोझ कम हो जाने की उम्मीद है, भारी वाहनों के लिए छः लेन का पुल अति आवश्यक है;

(ख) क्या यह सही है कि पटना रिंग रोड के साथ बक्सर को बनारस से जोड़ने के लिए नई सड़क अतिआवश्यक है, बक्सर को बनारस से जोड़ने के लिए माननीय मुख्यमंत्री केन्द्रीय पथ निर्माण मंत्री, नितीन गडकरी से भी कह चुके हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार जे.पी. सेतु के समानांतर नए पुल एवं बक्सर से बनारस तक जोड़ने के लिए नई सड़क का निर्माण शीघ्र कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क बनवाने पर विचार

***** 460. **श्री सुनील कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला के बिरौल प्रखंड सह अनुमंडल के कोठीपुर से भाया बलरा मोड़, बिरौल पंचायत के घोघसर तक सड़क अभी तक नहीं बन सकी है, जिसकी दूरी लगभग 2 कि.मी. है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकारी अमलों की लापरवाही के कारण यह सड़क कोर नेटवर्क में दर्ज नहीं हो सका;

(ग) क्या यह सही है कि इस सड़क के बन जाने से अनुमंडल मुख्यालय तक आवागमन में 25 हजार की आबादी को सुविधा होगी;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार विश्व बैंक से प्राप्त राशि से इस सड़क को बनवाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पथ की मरम्मती

* 461. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बथनाहा प्रखंड के सुरगहिया चौक से जगनपट्टी होते हुए भूतही एन.एच.-77 तक जाने वाली लगभग सात कि.मी. ग्रामीण सड़क की स्थिति जर्जर होने के कारण आवागमन में काफी कठिनाई होती है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उक्त पथ का ग्रामीण कार्य विभाग में अधिग्रहण कर मरम्मती कराने एवं कालीकरण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क का पक्कीकरण

*462. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के कोंच प्रखंड अंतर्गत परसामा से रजौड़ा, तरारी, कुरकट्टी जाने वाली मुख्य सड़क दर्जनों गांवों को जोड़ती है, जो कच्ची सड़क है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क से दर्जनों गांव के निवासियों का आवागमन होता है, वर्षों से मरम्मत नहीं होने के कारण सड़क अत्यंत जर्जर हो गई है;

(ग) क्या यह सही है कि बरसात के दिनों में कच्ची सड़क पर चलने में, राहगीरों को आने-जाने में भारी कठिनाई झेलनी पड़ती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कोंच प्रखंड अंतर्गत परसामा से रजौड़ा, तरारी, कुरकट्टी जाने वाली मुख्य सड़क का पक्कीकरण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

सड़क का चौड़ीकरण

***** 463. **श्री दिनेश प्रसाद सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत पारू से बड़ादाउद होते हुए देवरिया पथ जिला परिषद् का पथ है, जिसका चौड़ीकरण पथ निर्माण विभाग द्वारा करा दिया गया है, जबकि पारू से जाफरपुर होते हुए देवरिया पथ, जो साहेबगंज मोतिहारी जाने वाला मुख्य पथ है, वह पथ निर्माण विभाग की सड़क है, जिसका चौड़ीकरण नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि पारू से जाफरपुर होते हुए देवरिया जाने वाली मुख्य सड़क, जो साहेबगंज मोतिहारी जाती है, उसकी चाड़ाई मात्र 10 फीट है और इस सड़क पर सैकड़ों बसें और बड़े वाहन चलते हैं, जिसके कारण छोटी गाड़ियां एवं मोटर साइकिल पास लेने में दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'ख' में वर्णित मुख्य सड़क की चौड़ाई मात्र 10 फीट है, जबकि ग्रामीण सड़कें भी 12 फीट से कम चौड़ी नहीं बनायी जाती हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'ख' में वर्णित पथ निर्माण विभाग की मुख्य सड़क का चौड़ीकरण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

कठिनाई पर विचार

***** 464. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल जहानाबाद अंतर्गत ओ.पी.आर.एम.सी. पैकेज संख्या-74/एकरारनामा में कुल पथों की संख्या-15 है तथा जिसकी लंबाई 158 कि.मी. है जिसकी मरम्मती एवं रख-रखाव हेतु 23,09,18,195/- रुपये आवंटित हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पैकेज संख्या-74 में संवेदक द्वारा वित्तीय वर्ष 2013-14 से लेकर वित्तीय वर्ष 2016-17 तक 4 वर्षों तक जो कार्य कराये गये हैं वे कार्य संतोषजनक हैं तथा एकरारनामा एम.बी.डी. के क्लॉज के अनुरूप है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त पैकेज संख्या-74 में वर्ष 2016 के अगस्त माह में भीषण बाढ़ के कारण कुल 5 पथों में भारी क्षति हुई थी तथा निरीक्षण उपरांत मुख्य अभियंता, दक्षिण बिहार (यातायात) उपभाग, पथ निर्माण विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करने/कराने हेतु तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई थी;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त बाढ़ से क्षतिग्रस्त कार्य कंडिका 'ग' जिसका तकनीकी स्वीकृति मुख्य अभियंता द्वारा दी गई थी, विभागीय पैकेज के कार्यान्वयन के पत्रांक-7286 (एस) अनु. पटना, दिनांक-17.8.2017 तथा ज्ञापांक-9262 (एम) पटना, दिनांक-24.10.2017 के संदर्भित प्रावधानानुसार ओ.पी.आर.एम.सी. के संवेदक द्वारा ही कराया जाना था, जिसका अनुपालन नहीं किया गया है, दोषियों के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई करने का अभिमत विभाग रखता है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ओ.पी.आर.एम.सी. आच्छादित पी.एम. प्रावधान के वंचित पथों में प्रस्तावित पी.एम. कार्य हेतु सूचना कार्यपालक अभियंता, जहानाबाद संख्या-1 द्वारा उक्त पैकेज संख्या- 74 के लिए समय-समय पर विभागीय पत्रांक-4576 (ई) अनु. पटना, दिनांक-11.8.2017 के संदर्भित प्रावधान के अनुसार समर्पित किया गया है, के विरुद्ध सम्प्रति विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी है, के कारण पथों के संधारण रख-रखाव में संवेदक/ क्षेत्रीय तकनीकी पदाधिकारियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अभिमत विभाग रखता है, यदि हां तो कबतक ?

पुलिया का निर्माण

*465. **श्री संजीव कुमार सिंह** एवं **डा. मदन मोहन झा** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत प्रखंड फुलवारी शरीफ सर्वे थाना नं.-36, मौजा-कुरकुरी में पटना वासियों द्वारा जमीन क्रय किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि कुरकुरी स्थित जमीन पर जाने में एक बड़ा नाला है जिसके चलते निर्माण सामग्री ले जाने में घोर कठिनाई का सामना करना पड़ता है;

(ग) क्या यह सही है कि चाणक्य स्टेट डेवलपर्स कार्यालय के ठीक सामने नाला पर एक पुलिया का निर्माण होने से सामान्य यातायात एवं गृह निर्माण से संबंधित सारी सामग्रियों को भी लाया जा सकता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'ग' में वर्णित स्थल पर एक पुलिया का निर्माण इसी वित्तीय वर्ष में कराना चाहती है ?

मनरेगा योजना का कार्यान्वयन

*466. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि मनरेगा योजना से पंचायत समिति के द्वारा निर्माण कार्य कराने हेतु सरकार की तरफ से सभी जिला पदाधिकारियों को पत्र भेजा गया है, जिसका अभी तक जिला पदाधिकारियों द्वारा अनुपालन नहीं किया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त पत्र के आलोक में पश्चिमी चम्पारण जिले की पंचायत समितियों से मनरेगा योजना का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

नवनिर्मित भवन का उपयोग

*467. **डा. मदन मोहन झा** : क्या मंत्री, पशुपालन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत वेटनरी कॉलेज में भवन निर्माण कराया गया है, जिसका वर्तमान में कोई उपयोग विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उस परिसर में अत्यधिक जंगल रहने के कारण दिन में भी अपराधियों का जमावड़ा लगा रहता है जिसके कारण कौटिल्य नगर निवासी भयाक्रान्त रहते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उस नवनिर्मित भवन का उपयोग करते हुए जंगल की सफाई यथाशीघ्र कराना चाहती है, ताकि भविष्य में कोई दुर्घटना घटित न हो सके ?

पुल का निर्माण

*468. **श्री वीरेन्द्र नारायण यादव** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिले के मधुबनी प्रखंड की पंचायत बरवा के ग्राम सिसवा एवं पंचायत चिलबनिया के ग्राम-रूपही के बीच अवस्थित वासी नदी के सिसवा घाट पर पुल नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि सिसवा घाट पर पुल निर्माण हो जाने से बिहार एवं सीमावर्ती क्षेत्र उत्तर प्रदेश के लोगों के बीच आवागमन की दूरी कम हो जायेगी;

(ग) क्या यह सही है कि प्रत्येक वर्ष बाढ़ की विभीषिका के कारण भितहां एवं मधुबनी में बाढ़ के पानी के प्रकोप से सारे मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं तथा भितहां एवं मधुबनी की जनता को 40 कि.मी. दूर घूमकर उत्तर प्रदेश से होकर चम्पारण में आने पर विवश होना पड़ता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भितहां एवं मधुबनी सहित अन्य जनता हेतु उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराकर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

प्रखंड का निर्माण

*469. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सीवान जिलान्तर्गत नवतन प्रखंड कार्यालय का निर्माण सरकार के विचाराधीन है;

(ख) क्या यह सही है कि नवतन प्रखंड के अंतर्गत नरकटिया ग्राम में सरकारी जमीन करीब पांच बीघा उपलब्ध है और वह विवादरहित है;

(ग) क्या यह सही है कि ग्रामीण विकास के पदाधिकारी एवं जिलाधिकारी, सीवान ने उक्त जमीन की नापी कराकर प्रखंड कार्यालय के लिये उपर्युक्त करार किया है;

(घ) क्या यह सही है कि प्रखंड कार्यालय के निर्माण के लिये राशि सरकार ने उपलब्ध करा दी थी, उसके बावजूद उक्त प्रखंड का निर्माण नहीं कर योजना को दूसरी जगह हस्तान्तरित कर दिया गया है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्रखंड का निर्माण शीघ्र कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

दोषियों पर कार्रवाई

***** 470. **श्री सुबोध कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि ग्रामीण क्षेत्र की गरीब महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हेतु वर्ल्ड बैंक के पोषण से जीविका का गठन किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि जीविका कार्यक्रम के कार्यान्वयन में गलत ढंग से बड़ी गाड़ियों का वाउचर बनाकर अवैध ढंग से राशि की निकासी की जा रही है। जबकि परिवहन कार्यालय के अनुसार वाउचर में दर्शाये गए नम्बर मोटर साइकिल के हैं, क्या मोटर साइकिल से माल ढुलाई की जा रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पूरे राज्य में जीविका कार्यक्रम में हो रही धांधली पर रोक लगाते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

भवन का निर्माण

***** 471. **श्री चन्देश्वर प्रसाद** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के मसौढ़ी प्रखंड अन्तर्गत ग्राम पंचायत चपौर के ग्राम-चाननपुर में सामुदायिक भवन के अभाव में चाननपुर के लोगों का सामुदायिक कार्यों से संबंधित बैठकों एवं कार्य के संपादन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार खंड 'क' पर अंकित स्थान पर लोकहित में सामुदायिक भवन निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

व्यवस्था सुनिश्चित

***** 472. **श्री रणविजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि एन.एच.-98 पर पटना के फुलवारी शरीफ से अनिसाबाद मोड़ तक आये दिन दुर्घटना से मृत्यु होती रहती है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त एन.एच. पर दुर्घटना घटित नहीं हो, ऐसी कोई प्रशासन द्वारा व्यवस्था नहीं है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित स्थान पर कोई ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करना चाहती है, ताकि दुर्घटना घटित नहीं हो, यदि नहीं तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

***** 473. **श्री देवेश चन्द्र ठाकुर** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत बेनीपुर पथ प्रमंडल के तारडीह प्रखंड में कैथवार नाका चौक से प्रखंड मुख्यालय, तारडीह होते हुए ककोढ़ा चौक से हरिहरपुर, नदियामी ग्रामीण कार्य विभाग सड़क, पथ निर्माण विभाग में परिवर्तित करना जनहित में अतिआवश्यक है, इस सड़क की दूरी लगभग 11 कि.मी. है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क प्रखंड मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है। इस सड़क निर्माण से लगभग 50,000 लोग लाभान्वित होंगे;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार गामीण कार्य विभाग सड़क, पथ निर्माण विभाग में स्थानान्तरित करते हुए निर्माण कार्य कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

भवन का हस्तांतरण कबतक

***** 474. **श्री अशोक कुमार अग्रवाल** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि कटिहार जिला के कई प्रखंडों में पंचायत सरकार भवन बन कर तैयार है;

(ख) क्या यह सही है कि अबतक पंचायत सरकार भवन का हस्तांतरण नहीं किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो पंचायत सरकार भवन का हस्तांतरण कबतक होगा, यदि नहीं तो क्यों ?

पुल का निर्माण

***** 475. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत कुचायकोट प्रखंड के ग्राम-रामपुर भैंसही से रघुनंदनपुर तक की ग्रामीण सड़क ईंट सोलिंग है तथा इसी बीच नौमुहां पुल जो अंग्रेजी शासनकाल का बना हुआ है, वह जर्जर स्थिति में है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क का पक्कीकरण एवं नये पुल का निर्माण नहीं होने के चलते यातायात बाधित रहता है तथा अप्रिय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपर्युक्त वर्णित सड़क का पक्कीकरण तथा जर्जर पुल के स्थान पर नया पुल बनवाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पथ का निर्माण

***** 476. **श्री अर्जुन सहनी** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मुख्यमंत्री की सात निश्चय योजना के तहत वैसे बसावट ग्रामीण टोला, जिसकी आबादी 100 से 249 के बीच है, को एकल संपर्कता प्रदान करने हेतु सड़क निर्माण की योजना है;

(ख) क्या यह सही है कि फुलवारी शरीफ प्रखंड अंतर्गत चिलबिली पंचायत के ग्राम मकदुमपुर मध्य विद्यालय के पूरब देवी मंदिर के दरवाजा से उत्तर की ओर जाने वाला संत कॉलोनी, कबीर पथ है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'ख' में वर्णित संत कॉलोनी, कबीर पथ बसावट ग्रामीण टोला को संपर्क निश्चय योजना अंतर्गत चयनित सूची में शामिल नहीं किया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार संत कॉलोनी, कबीर पथ को ग्रामीण टोला संपर्क निश्चय योजनान्तर्गत चयनित सूची में शामिल कर तदनुसार पथ निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

राशि उपलब्ध कबतक

***** 477. **डा. रामवचन राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के खुटौना प्रखंड अन्तर्गत ग्राम-संतनगर में सर्वश्री बच्चे लाल मंडल, उमाशंकर मंडल, रिंकु देवी एवं मीना वगैरह के आवासीय गृह दिनांक-8.5.2015 को हुए भीषण अग्निकांड में जलकर भस्म हो गये थे;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त वर्णित अग्निकांड के पीड़ित परिवारों के आवासीय गृह का विशेष इंदिरा आवास योजना अन्तर्गत निर्माण कराने हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी, खुटौना का पत्रांक-256, दिनांक-21.8.2015 के द्वारा संधारित अभिलेख सं.-2/2015-16 से संबंधित प्रतिवेदन अग्रतर कार्रवाई हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, फुलपरास को समर्पित कर दिया गया था, जिसे इस कार्यालय का पत्रांक-798, दिनांक-7.2.2016 के द्वारा पीड़ित परिवारों के गृह निर्माण की स्वीकृति देने हेतु तत्संबंधी अनुशंसा से संबंधित प्रतिवेदन उप विकास आयुक्त, मधुबनी को समर्पित कर दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि अग्निकांड पीड़ित श्री बच्चे लाल मंडल ने इस आलोक में जिला पदाधिकारी, मधुबनी को डॉकेट नं.-4013, दिनांक-14.8.2017 समर्पित किया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताएगी कि पीड़ित परिवारों के आवासीय गृहों के निर्माणार्थ अब तक स्वीकृति प्रदान कर वांछित राशि उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

***** 478. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत कुचायकोट प्रखंड के पांडेय परसौनी गांव में नवसृजित प्राथमिक विद्यालय के 107 बच्चों को रोज अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल आना-जाना पड़ता है;

(ख) क्या यह सही है कि गांव में एकमात्र सरकारी स्कूल जाने के लिए संपर्क पथ नहीं है, यही नहीं, लोगों को गांव से बाहर जाने के लिए रेल ट्रैक का ही सहारा लेना पड़ता है;

(ग) क्या यह सही है कि रेलवे ट्रैक की बगल में सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण दूसरा रास्ता नहीं बन पा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त जिला के उक्त गांव में रेलवे ट्रैक की बगल से जमीन की व्यवस्था करते हुए सड़क का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

सड़क का पक्कीकरण

***** 479. **श्री राम लषण राम 'रमण'** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के लदनियां प्रखंड अन्तर्गत पिपराही पंचायत के पिपराही ग्राम के मंडल टोल चौराहा से डिहवार स्थान होते हुए धाताटोल चौराहा तक आधा किलोमीटर सड़क कच्ची है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार कबतक उक्त आधा कि.मी. सड़क को पक्की सड़क में परिवर्तित करना चाहती है, नहीं तो क्यों ?

सड़क का पक्कीकरण पर विचार

***** 480. **श्री शिव प्रसन्न यादव** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिले के सिसवन प्रखंड अंतर्गत चैनपुर बाजार के दक्षिण दिशा में सिवान सिसवन मेन एस.एच. रोड से ग्राम मोरवल में एक सड़क जाती है;

(ख) क्या यह सही है कि शुरू से अभी तक इस सड़क में शुरू में ईंटकरण भी नहीं हुआ है जिससे आवागमन में बहुत कठिनाई है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सड़क का पक्कीकरण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

सड़क का पुनर्निर्माण

***** 481. **श्रीमती रीना देवी** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नालंदा जिलान्तर्गत इस्लामपुर प्रखंड के खोदागंज पक्के पथ से राजगीर प्रखंड के भूई पिपलतर पक्का पथ (भाया मीना बाजार कोन्दुआ, धरहरा, डुमरी) तक की ग्रामीण कार्य विभाग की 15 कि.मी. लंबी सड़क इस क्षेत्र की जनता के आवागमन हेतु बहुत पुरानी एवं काफी महत्वपूर्ण सड़क है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क नालंदा जिला के चारों प्रखंड यथा इस्लामपुर, बेन, सिलाव एवं राजगीर के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में संपर्कता प्रदान करती है तथा यह सड़क तीन स्थलों पर पथ निर्माण विभाग की सड़क को जोड़ती भी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त ग्रामीण सड़क का अधिग्रहण पथ निर्माण विभाग के अधीन करते हुए उक्त सड़क का पुनर्निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

पथ का निर्माण

***** 482. **श्री हीरा प्रसाद बिन्द** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नालंदा जिला के सिवाल-गोरौर पथ, जिसकी लम्बाई 12 कि.मी. है, का सम्पर्क एक ओर बिहारशरीफ-गया उच्च पथ से तथा दूसरी ओर राजगीर-जहानाबाद उच्च पथ से है तथा इस क्षेत्र की जनता के आवागमन हेतु यह ग्रामीण पथ काफी पुराना एवं महत्वपूर्ण है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इस पथ पर आवागमन के दबाव को देखते हुए जनहित में इसका अधिग्रहण पथ निर्माण के अधीन कर पुनर्निर्माण कराने का विचार रखती है ?

पटना
दिनांक 2 अप्रैल, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्